क्राफ्ट पेपर की तंगी और उत्पादन खर्च 70 फीसदी बढ़ने से कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग का अस्तित्व खतरे में : इकमा

मुंबई (एजेंसी)। पिछले कुछ महीनों में उत्पादन खर्च में तीव्र वृद्धि होने से और दूसरी ओर कच्ची सामग्री की आपूर्ति अस्तव्यस्त हो जाने से भारत का कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग संकट में पड़ गया है। उसकी मुख्य कच्ची सामग्री क्राफ्ट पेपर है। मात्र पेपर की भाव वृद्धि के कारण कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग का उत्पादन खर्च 70 प्रतिशत बढ़ गया है।

क्राफ्ट पेपर मिलें सप्लाई साइड में आयातित और स्थानीय वेस्ट पेपर के बढ़ते भाव, कोरोना लकडाउन और अंतर राज्य लजिस्टिक अवरोधों के कारण उपलब्धता घटने का कारण बताती है जबकि मांग की और देखें तो मिलें चीन को रीसाइकल्ड क्राफ्ट पेपर पल्प रोल्स के रूप में क्राफ्ट पेपर निर्यात करने के सुनहरे अवसर का लाभ उठा रही हैं। 1 जनवरी 2021 से वेस्ट पेपर सहित सभी सलिड वेस्ट के आयात प्रतिबंध के परिणाम का चीन की मिलें सामना कर रही हैं।

इंडियन कोरूगेटेड केस मैन्युफेक्चरर्स एसो.(इकमा) के प्रमुख, संदीप वाधवा ने कहा कि मांग से और चीन में आकर्षक भाव मिलने से भारतीय क्राफ्ट पेपर का उत्पादन स्थानीय बाजार के स्थान पर अन्य स्थानांतरित हो रहा है। इससे फिनिश्ड पेपर और रीसाइकल्ड फाइबर का भाव ऊंचा जा रहा है। भारतीय क्राफ्ट पेपर मिलों द्वारा रीसायकल्ड क्राफ्ट पेपर पल्प रोल्स का निर्यात इस वर्ष 20 लाख टन से अधिक होगा, जो भारत के कुल स्थानीय क्राफ्ट पेपर उत्पादन का 20 प्रतिशत होता है. 2018 से पहले शून्य निर्यात था और इस आधार पर यह सप्लाई साइड डायनामिक्स गेम चेंजर बन गया है। क्राफ्ट पेपर की कास्ट में वृद्धि के अलावा सभी अन्य इनपुट जैसे मानव बल खर्च, स्टार्च, भाड़ा और अन्य ओवरहेड भी पिछले कुछ वर्षों में 60 से 70 प्रतिशत बढ़ गए हैं। इकमा के उप प्रमुख हरीश मदन ने कहा कि यह पर्यावरण प्रेमी उद्योग है, जो वार्षिक 75 लाख टन रीसाइकल्ड क्राफ्ट पेपर की खपत करता है और 100 प्रतिशत रीसाइकल्ड कोरूगेटेड बाक्स का निर्माण करता है। इसके बाजार का कद 27 हजार करोड़ रुपए का है। इस उद्योग में 6 लाख लोगों को रोजगार मिलता है। इकमा के एमिरेट्स प्रेसिडेंट किरीट मोदी ने कहा कि भारत के कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग में 350 से अधिक अटोमेटिक कोरूगेटर हैं और 10,000 से अधिक सेमी अटोमेटिक इकाइयां हैं। ज्यादातर एमएसएमई क्षेत्र है। इकमा ने कहा कि सभी उत्पादित आइटम सस्टेनेबल पैकेजिंग के साथ सप्लाई करने और प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' मुहिम को सार्थक करने के लिए भारतीय कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग की तंदुरूस्ती जरूरी है। इससे बड़े ब्रांडधारकों और अन्य कारपोरेट द्वारा फेयर प्राइस रिवीजन मंजूर किया जाना जरूरी है, इससे इस उद्योग को बंद होने से रोका जा सकेगा।